‘इतिहास’ के लेखकों के लिए दिशा-निर्देश

- *‘इतिहास’* शोध पत्रिका का नियत प्रकाशन वर्ष में दो बार जून तथा दिसम्बर में किया जाता है।
- शोध लेखों के प्रकाशन हेतु कोई शुल्क नहीं लिया जाता है।
- शोध लेख समीक्षक, पुस्तक समीक्षक तथा शोध लेख के लेखकों को मानदेय के रूप में क्रमश: रु.2,000/- तथा रु. 2,500/- पत्रिका की प्रति सहित दिया जाता है।
- शोध लेख नवीन, तथ्यात्मक, मौलिक, अप्रकाशित एवं समुचित विस्तार का होना चाहिए।
- लेखक-परिचय पाद-टिप्पणी के रूप में शोध लेख के प्रथम पृष्ठ पर होना चाहिए।
- शोध-निबन्ध/आलेख की शब्द-सीमा 4,000-7,000 के बीच होनी चाहिए तथा लेख में शोध सारांश (200 शब्द) एवं बीज शब्द (7-8 शब्द) होना अनिवार्य है।
- प्रस्तावित लेख की मूल प्रति ई-मेल (कृतिदेव फॉण्ट में) द्वारा *dd.journal@ichr.ac.in/ itihas@ichr.ac.in* एवं पंजीकृत डाक:- डॉ. राजेश कुमार, निदेशक (जे.पी.एल.), भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, 35 फिरोज़शाह रोड, नई दिल्ली-110001 को भेजें।
- विषय-विशेषज्ञों द्वारा स्वीकृत होने पर ही शोध निबन्ध ***‘इतिहास’*** में प्रकाशित किए जाएँगे। अस्वीकृत निबन्धों को लौटाने का उत्तरदायित्व भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् का नहीं है।
- विशेषज्ञों के सुझाव पर शोधार्थी को अपने शोध-निबन्ध में संशोधन करना भी अनिवार्य है।
- प्रस्तावित शोध-निबन्ध के प्रकाशन के विषय में प्रधान सम्पादक/सम्पादक मण्डल का निर्णय अन्तिम माना जाएगा।
- पाद-टिप्पणी उसी पृष्ठ पर नीचे निम्नांकित शैली में अंकित किया जाना अनिवार्य है। इसके अलावा पाद-टिप्पणी में ‘वही’ शब्द के स्थान पर उपरोक्त एवं पूर्व पृष्ठ के स्थान पर ‘पूर्वोक्त’ शब्द का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। लेखक का नाम, पुस्तक का नाम (इटैलिक), प्रकाशक का नाम, स्थान, वर्ष एवं पृष्ठ संख्या अंकित किया जाए।
- उदाहरणस्वरूप - प्रतिरूप, **पुस्तक :** नर्मदा प्रसाद गुप्त, *बुन्देलखण्ड की लोक संस्कृति का इतिहास,* राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1995, पृ. 124

– **शोध पत्रिका :** नोरमन पी. जिगलर, ‘मारवाड़ी हिस्टोरिकल क्रॉनिकल : सोशल एण्ड कल्चरल हिस्ट्री ऑफ राजस्थान’, *द इण्डियन इकोनोमिक एण्ड सोशल हिस्ट्री रिव्यू,* खण्ड 13, भाग 2, अप्रैल-जून 1976, पृ. 219-50

– **समाचार पत्र :** *भारत जीवन,* 8 जून 1890, पृ. 7

विस्तृत जानकारी के लिए देखें : www.ichr.ac.in
facebook page : https://www.facebook.com/itihasshodhpatrika